ज्ञानविविधा
रचना, आलोचना और शोध की त्रैमासिक पत्रिका

Online ISSN : 3048-4537
July-September 2024 : 1(4)66

©2024 Gyanvividha
www.gyanvividha.com

शैलेन्द्र 'असीम'
पाण्डेय निवास,
रोहुआ मछरगावां, कुशीनगर,
उत्तर प्रदेश - 274149

Corresponding Author :
शैलेन्द्र 'असीम'
पाण्डेय निवास,
रोहुआ मछरगावां, कुशीनगर,
उत्तर प्रदेश - 274149

तरही ग़ज़ल

साये में तेरी ज़ुल्फ़ के, हर शाम करेंगे।
असबाब-ए-ज़िन्दगी को तेरे नाम करेंगे।।

रोको न हमें राह में, जाना है बहुत दूर,
मंज़िल पे पहुँच जाएँ तो आराम करेंगे।

किसने हमें बर्बाद किया बन के हम-नवा,
'साज़िश की ख़बर आज सर-ए-आम करेंगे।'

उम्मीद के ही दम पे है दुनिया की हक़ीक़त,
आग़ाज़ कर दिया है तो अंजाम करेंगे।

माँ-बाप के कदमों में ही खुशियाँ हैं भले ही,
काबा कई जाएंगे, कई धाम करेंगे।

आए थे तेरी बज़्म में नादान की तरह,
रह जाए ज़माने में वही काम करेंगे।

पतवार चलाना है, चलाएंगे हम 'असीम',
कश्ती भँवर से पार तो बस राम करेंगे।

•